CHAPTER - 10	अंतर्राष्ट्रीय व्यावसाय International Business

स्मरणीय तथ्य :

अंतरराष्ट्रीय व्यापार का अर्थ होता है व्यापार जो दो या दो से अधिक देशों के बीच में होता है। इसमें वस्त्र, खाद्य पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, सेवाएं, पूंजी, और अन्य उत्पाद और सेवाओं का व्यापार शामिल हो सकता है जो एक देश से दूसरे देश में विदेशी व्यापारिकों के साथ होता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार का मुख्य उद्देश्य विभिन्न देशों के बीच वस्त्र, सेवाएं, और उत्पादों की विनिर्माण, विपणन, और वितरण को बढ़ावा देना होता है। इसके माध्यम से विश्वासप्राप्ति, आर्थिक विकास, और साथ ही दुनिया के विभिन्न देशों के लोगों के बीच व्यक्तिगत और व्यापारिक संबंध बढ़ते हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार का उदाहरण हैं विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन, जो व्यापारी नियमों और विपणन संबंधित मुद्दों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय से तात्पर्य उन व्यावसायिक गतिविधियों से है जिनमें राष्ट्रीय सीमाओं के पार लेन-देन शामिल होता है। इसमें वस्तुओं और सेवाओं के आयात और निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सहित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में केवल वस्तु एवं सेवाओं का आयात एवं निर्यात सम्मिलित नहीं है बल्कि और भी बहुत से कार्य हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं।

वस्तुओं का आयात एवं निर्यात से अभिप्राय उन मूर्त वस्तुओं से है, अर्थात् जिन्हें हम देख सकते हैं एवं स्पर्श कर सकते हैं। निर्यात का अर्थ है– मूर्त वस्तुओं को अन्य देशों को भेजना तथा इनके आयात का अर्थ है– मूर्त वस्तुओं को बाह्य देश से अपने देश में लाना। व्यापारिक वस्तुओं के आयात-निर्यात, अर्थात् वस्तुओं के व्यापार में मूर्त वस्तुएँ ही सम्मिलित होती हैं

सेवाओं का आयात एवं निर्यात में अमूर्त वस्तुओं का व्यापार होता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सेवाओं का व्यापार होता है, जिनमें सम्मिलित हैं– पर्यटन एवं यात्रा, भोजनालय एवं विश्राम (होटल एवं जलपान गृह) मनोरंजन, परिवहन, पेशागत।

विदेशों में निवेश करना अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का एक और महत्वपूर्ण प्रकार है। विदेशी निवेश में कुछ वित्तीय प्रतिफल के बदले विदेशों में धन का निवेश किया जाता है। प्रत्यक्ष निवेश में एक कंपनी किसी देश में वस्तु एवं सेवाओं के उत्पादन एवं विपणन के लिए वहाँ संयंत्र एवं मशीनों जैसी परिसम्पतियों में प्रत्यक्ष निवेश करती है। प्रत्यक्ष निवेश निवेशक को विदेशी कंपनी में नियंत्रण का अधिकार देता है। इसे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अर्थात् एफ.डी.आई. कहते हैं। जब किसी एक या अधिक विदेशी व्यवसायी के साथ उत्पादन एवं विपणन में धन लगाया जाता है तो इस क्रिया को संयुक्त उपक्रम कहते हैं। यदि कोई कंपनी चाहती है तो वह विदेशी उपक्रम में 100 प्रतिशत निवेश कर पूर्ण रूप से अपने स्वामित्व में एक सहायक कंपनी की स्थापना कर सकती है। इस प्रकार से उस सहायक कंपनी के विदेशों में व्यवसाय पर इसका पूरा नियंत्रण होगा। दूसरी ओर, एक पेटिका निवेश एक कंपनी का दूसरी कंपनी में उसके शेयर खरीद या फिर ऋण के रूप में निवेश होता है। निवेशक कंपनी को लाभांश या ऋण पर ब्याज के रूप में आय होती है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के समान पेटिका निवेश में निवेशक उत्पादन एवं विपणन क्रियाओं में लिप्त नहीं होता है। इसमें विदेशों में शेयर बाँड, बिल या नोट में निवेश कर या विदेशी व्यावसायिक फर्मों को ऋण देकर उनसे आय प्राप्त होती है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लाभ अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अनेक जटिलताओं एवं जोखिमों के होते हुए भी यह राष्ट्रों एवं व्यावसायिक फर्मों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें अनेक लाभ हैं। पिछले वर्षों में प्राप्त इन लाभों के कारण ही विभिन्न राष्ट्रों के बीच व्यापार एवं निवेश का विस्तार हुआ।

विदेशी मुद्रा का अर्जन- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय से एक देश को विदेशी मुद्रा के अर्जन में सहायता मिलती है जिसे वह पूँजीगत वस्तुओं एवं उर्वरक, फ़ार्मास्यूटिकल उत्पाद एवं अन्य बहुत सी ऐसी उपभोक्ता वस्तुएँ जो अपने देश में उपलब्ध नहीं हैं, उनके आयात पर व्यय करता है।

संसाधनों का अधिक क्षमता से उपयोग- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का संचालन एक सरल सिद्धांत पर किया जाता है उन वस्तुओं का उत्पादन करें जिसे आपका देश अधिक क्षमता से कर सकता है तथा आधिक्य उत्पादन को दूसरे देशों के उन उत्पादों से विनिमय कर लें जिनका वे अधिक क्षमता से उत्पादन कर सकते हैं। जब राष्ट्र इस सिद्धांत पर व्यापार करते हैं तो वे यदि सभी वस्तु एवं सेवाओं का स्वयं ही उत्पादन करें, तो इससे अधिक उन वस्तुओं का उत्पादन कर सकेंगे जिनका वह भली-भाँति उत्पादन कर सकते हैं। इस प्रकार से सभी देशों की वस्तु एवं सेवाओं को एकत्रित कर उसे समानता के आधार पर उनमें वितरित कर दिया जाए तो इससे व्यापार कर रहे सभी देशों को लाभ होगा।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में लेन-देन :- बहुत से देशों के नियम, कानून एवं नीतियाँ सीमा शुल्क एवं कोटा आदि लागू होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में लेन-देन एक से अधिक देशों की मुद्रा में होता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अनेक जटिलताओं एवं जोखिमों के होते हुए भी यह राष्ट्रों एवं व्यावसायिक फर्मों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें अनेक लाभ हैं। • पिछले वर्षों में प्राप्त इन लाभों के कारण ही विभिन्न राष्ट्रों के बीच व्यापार एवं निवेश का विस्तार हुआ है। परिणामस्वरूप वैश्वीकरण में आशातीत वृद्धि हुई है।

विकास की संभावनाओं एवं रोज़गार के अवसरों में सुधार - यदि उत्पादन केवल घरेलू उपभोग के लिए किया जाएगा तो इससे देश के विकास एवं रोज़गार की

संभावनाओं में रुकावट पैदा होगी। अनेक देश, विशेषतः विकासशील देश बड़े पैमाने पर उत्पादन की अपनी योजनाओं को इसलिए कार्यान्वित नहीं कर सके क्योंकि घरेलू बाज़ार में आधिक्य उत्पादन की खपत नहीं थी इसीलिए वह रोज़गार के अवसर भी पैदा नहीं कर सके।

कुछ समय बाद कुछ देश, जैसे- सिंगापुर, दक्षिण कोरिया एवं चीन ने विदेशों में अपने माल की बिक्री पर ध्यान दिया तथा निर्यात करो एवं फलो - फूलो की रणनीति अपनाई एवं शीघ्र ही संसार के नक्शे में चोटी के निष्पादक बन गये। इससे न केवल उनके विकास के अवसर बढ़े बल्कि इनके देशवासियों के लिए रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए।

जीवन स्तर में वृद्धि- यदि वस्तु एवं सेवाओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं होता तो विश्व समुदाय के लिए दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं का उपभोग संभव नहीं होता। आज वह इनका उपभोग कर स्वयं भी उच्च जीवन स्तर का आनंद ले रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

वैश्वीकरण: सीमा पार व्यापार और निवेश के माध्यम से अर्थव्यवस्थाओं, संस्कृतियों और समाजों को एकीकृत करने की प्रक्रिया।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार: देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान, जो द्विपक्षीय (दो देशों के बीच) या बहुपक्षीय (कई देशों को शामिल करते हुए) हो सकता है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई): जब कोई कंपनी या व्यक्ति दूसरे देश में किसी व्यवसाय में निवेश करता है, अक्सर महत्वपूर्ण स्वामित्व हिस्सेदारी प्राप्त करके।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ: आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं और वितरकों का जटिल नेटवर्क जो कई देशों तक फैला हुआ है और माल के उत्पादन और वितरण की सुविधा प्रदान करता है।

अंतर-सांस्कृतिक प्रबंधन: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय संचालित करते समय सांस्कृतिक मतभेदों और चुनौतियों से निपटना।

व्यापार विनियम: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानूनों और विनियमों का अनुपालन, जो अलग-अलग देशों में भिन्न हो सकते हैं।

Things to remember

International trade means trade that takes place between two or more countries. It may include trade in textiles, foods, electronics, machinery, services, capital, and other products and services from one country to another with foreign merchants. The main objective of international trade is to exchange goods, services, goods, etc. between different countries. Services and promotion of manufacturing, marketing, and distribution of products.Through this, trust, economic development, as well as personal and business relations increase between people of different countries of the world. Examples of international trade are international organizations such as the World Trade Organization, which help regulate trade rules and marketing related issues. We do.

International business refers to commercial activities that involve transactions across national borders. It covers a wide range of activities including import and export of goods and services, foreign direct investment (FDI), international trade agreements and global supply chain management. International business does not only involve import and export of goods and services but there are many other activities which are carried out at the international level.

Import and export of goods means those tangible goods, i.e. those which we can see and touch. Export means sending tangible goods to other countries and import means bringing tangible goods from a foreign country to our country. Import-export of commercial goods, that is, only tangible goods are involved in the trade of goods.

Import and export of services involve trade in intangible goods. Many services are traded at the international level, which include tourism and travel, restaurants and rest (hotels and restaurants), entertainment, transportation, business.

Investing abroad is another important type of international business. Foreign investment involves investing money abroad in exchange for some financial return. In direct investment, a company directly invests in assets like plant and machines in a country for the production and marketing of goods and services there. Direct investment gives the investor the right to control the foreign company. This is called Foreign Direct Investment i.e. FDI. They say.When money is invested in production and marketing with one or more foreign businessmen, this activity is called joint venture. If a company wishes, it can invest 100 percent in a foreign venture and establish a wholly owned subsidiary. In this way it will have complete control over the overseas business of that subsidiary. On the other hand, a portfolio investment is an investment by one company in another company either by purchasing its shares or in the form of a loan. The investing company receives income in the form of dividends or interest on loans. Unlike foreign direct investment, in box investment the investor is not involved in production and marketing activities. In this, income is earned by investing in shares, bonds, bills or notes

abroad or by giving loans to foreign business firms.

Benefits of International Business Despite the many complexities and risks involved in international business, it is important for nations and business firms. They get many benefits from this. Due to these benefits gained in the past years, trade and investment expanded between different nations.

Earning of foreign exchange - International trade helps a country earn foreign exchange which it spends on the import of capital goods and fertilizers, pharmaceutical products and many other consumer goods which are not available in the country.

More efficient use of resources - International business is conducted on a simple principle: produce goods that your country can do more efficiently and exchange the excess production for products in other countries that they can do more efficiently. Can produce. When nations trade on this principle, they will be able to produce more of the goods they can produce well than if they produced all the goods and services themselves.In this way, if the goods and services of all the countries are collected and distributed among them on the basis of equality, then all the countries doing business will benefit from it.

Transaction in International Business :- Rules, laws and policies, customs duties and quotas etc. of many countries apply to transactions in international business. In international business, transactions take place in the currency of more than one country.

Despite the many complexities and risks involved in international business, it is important for nations and business firms. They get many benefits from this. • Due to these benefits gained in the past years, trade and investment between different nations has expanded. As a result, there has been an unprecedented increase in globalization.

Improvement in development prospects and employment opportunities - If production is done only for domestic consumption, it will hinder the development and employment prospects of the country. Many countries, especially developing countries, could not implement their plans for large-scale production because there was no consumption of the surplus production in the domestic market, hence they could not create employment opportunities.

After some time, some countries like Singapore, South Korea and China focused on selling their goods abroad and adopted the strategy of export and prosper and soon became the top performers on the world map. This not only increased their development opportunities but also created employment opportunities for their countrymen.

Increase in standard of living: If there was no international trade in goods and services, it would not be possible for the world community to consume goods produced in other countries. Today, by consuming them, he himself is enjoying a high standard of living.

Major aspects of international trade include:

Globalization: The process of integrating economies, cultures, and societies through cross-border trade and investment.

International trade: The exchange of goods and services between countries, which can be bilateral (between two countries) or multilateral (involving multiple countries).

Foreign direct investment (FDI): When a company or individual invests in a business in another country, often by acquiring a significant ownership stake.

Global supply chains: Complex networks of suppliers, manufacturers, and distributors that span multiple countries and facilitate the production and distribution of goods.

Cross-Cultural Management: Dealing with cultural differences and challenges when conducting business internationally.

Trade Regulations: Compliance with international trade laws and regulations, which may differ from country to country.

बहुवैकल्पिक प्रश्न
(MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

1. भारत के निर्यात की प्रमुख मदें हैं-

(a) कपड़ा एवं वस्त्र (b) रत्न एवं आभूषण
(c) रसायन उत्पाद (d) उपरोक्त सभी

The main items of India's exports are-

(a) Textiles and clothing
(b) Gems and jewelry
(c) Chemical products
(d) All of the above

2. अप्रत्यक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार में निम्न की भूमिका रहती है-

(a) आयात निर्यात प्रतिनिधि
(b) आयातक
(c) निर्यातक
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

The following play a role in indirect international trade-
(a) Import export representative
(b) Importer
(c) Exporter
(d) None of the above

3. **इंडेंट भेजा जाता है-**
(a) निर्यातक द्वारा (b) सरकार द्वारा
(c) आयातक द्वारा (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

Indent is sent-
(a) By the exporter
(b) By the government
(c) By the importer
(d) None of the above

4. **संपूर्ण जहाज को किराए पर लेने पर जहाजी कंपनी से प्राप्त प्रपत्र है-**
(a) नवभाटक पत्र (b) जहाजी आदेश
(c) कप्तान की रसीद (d) जहाजी बिल

The form received from the shipping company on hiring the entire ship is-
(a) Charter letter (b) Shipping order
(c) Captain's receipt (d) Shipping bill

5. **आदेश का प्रयोग किया जाता है-**
(a) देशी व्यापार में (b) विदेशी व्यापार में
(c) स्थानीय व्यापार में (d) प्रांतीय व्यापार में

Order is used-
(a) In domestic trade (b) In foreign trade
(c) In local trade (d) In provincial trade

6. **अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितने प्रकार का होता है-**
(a) एक (b) तीन
(c) दो (d) चार

How many types of international trade are there?
(a) one (b) three
(c) two (d) four

7. **जहाजी बिल्टी एक प्रलेख है।**
(a) बीजक (b) विनिमय साध्य
(c) साख-पत्र (d) इनमें से कोई नहीं

Bill of lading is a document.
(a) Invoice (b) Bill of exchange
(c) Letter of credit (d) None of these

8. **प्रतिबंधित गोदाम कहां स्थित होते हैं।**
(a) हवाई अड्डा (b) रेलवे स्टेशन
(c) बंदरगाहों (d) सभी जगह

Where are restricted warehouses located?
(a) Airport (b) Railway Station
(c) ports (d) everywhere

9. **यदि माल की पैकिंग अच्छी है तो कप्तान कैसी रसीद देता है।**
(a) विवादित (b) स्वच्छ
(c) अपूर्ण (d) इनमें से कोई नहीं

If the packing of goods is good then what kind of receipt does the captain give?
(a) disputed (b) clean
(c) incomplete (d) none of these

10. **विदेशी बीजक किसके द्वारा बनाया जाता है।**
(a) प्रबंधक (b) आयातक
(c) निर्यातक (d) इनमें से कोई नहीं

By whom is the foreign invoice made?
(a) Manager (b) Importer
(c) Exporter (d) None of these

11. **सेवा क्षेत्र में भारत का सबसे ज्यादा व्यापार किस देश से है।**
(a) अमेरिका (b) चीन
(c) जापान (d) इनमें से कोई नहीं

India has maximum trade with which country in the service sector?
(a) America (b) China
(c) Japan (d) None of these

12. **विभिन्न देशों की राष्ट्रीयता प्राप्त व्यक्ति द्वारा आपस में किया गया व्यापार कैसा व्यापार कहलाता है।**
(a) राष्ट्रीय (b) अंतरराष्ट्रीय
(c) दोनो (d) इनमें से कोई नहीं

What type of trade is called trade done by people having nationalities of different countries among themselves?
(a) National (b) International
(c) Both (d) None of these

13. **विदेशी व्यापार की आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि**
(a) प्रत्येक देश आत्मनिर्भर नहीं है
(b) प्रत्येक देश आत्मनिर्भर है
(c) प्रत्येक देश एक-दूसरे से बहुत दूर है
(d) इनमें से कोई नहीं

Foreign trade is needed because
(a) Every country is not self-sufficient
(b) Every country is self-reliant

(c) Each country is very far from each other
(d) none of these

14. जब आयात, निर्यात की तुलना में अधिक होगा तो व्यापार संतुलन
(a) अनुकूल होगा (b) सामान्य होगा
(c) प्रतिकूल होगा (d) इनमें से कोई नहीं

Trade balance when imports are more than exports
(a) will be favorable (b) will be normal
(c) Would be unfavorable (d) None of these

15. इण्डैण्ट का उपयोग होता है।
(a) देशी व्यापार में
(b) विदेशी व्यापार में
(c) देशी तथा विदेशी व्यापार दोनों में
d) इनमें से कोई नहीं

Indent is used
(a) In domestic trade
(b) In foreign trade
(c) In both domestic and foreign trade
(d) None of these

16. इण्डैण्ट वह प्रपत्र है जो
(a) आयातकर्त्ता द्वारा निर्यातकर्त्ता एजेण्ट को दिया जाता है
(b) आयातकर्त्ता द्वारा सीधे उत्पादक को दिया जाता है
(c) निर्यातकर्ता द्वारा आयातकर्त्ता को दिया जाता है
(d) इनमें से कोई नहीं

Indent is a form which
(a) Given by the importer to the exporter agent
(b) Delivered directly by the importer to the producer
(c) given by the exporter to the importer
(d) none of these

17. इण्डैण्ट होता है।
(a) लिखित
(b) मौखिक
(c) लिखित तथा मौखिक दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

Indent is
(a) written
(b) oral
(c) Both written and oral
(d) None of these

18. जहाजी बिल्टी की कितनी प्रतियाँ तैयार की जाती है?
(a) दो (b) एक
(c) चार (d) इनमें से कोई नहीं

How many copies of ship's bill are prepared?
(a) two (b) one
(c) Four (d) None of these

19. भारत तथा नेपाल के मध्य होने वाला व्यापार कहलाता है।
(a) देशी व्यापार (b) विदेशी व्यापार
(c) स्थानीय व्यापार (d) इनमें से कोई नहीं

Trade between India and Nepal is called
(a) Domestic trade (b) Foreign trade
(c) Local business (d) None of these

20. कप्तान की रसीद निर्गमित करता है ।
(a) जहाज का कप्तान (b) निर्यातकर्त्ता
(c) आयातकर्त्ता (d) उपरोक्त सभी

Issues captain's receipt.
(a) Captain of the ship
(b) Exporter
(c) Importer
(d) All of the above

21. निर्यात प्रक्रिया आरम्भ होती है।
(a) जहाजी बिल्टी से (b) इण्डैण्ट से
(c) चार्टर पार्टी से (d) इनमें से कोई नहीं

Export process begins
(a) From ship bill (b) From indent
(c) Charter Party (d) None of these

22. निम्नलिखित में से माल के स्वत्व का प्रलेख कौन सा है?
(a) कप्तान की रसीद (b) चार्टर पार्टी
(c) जहाजी बिल्टी (d) उपरोक्त सभी

Which of the following is the document of title to goods?
(a) Captain's receipt (b) Charter party
(c) Shipbuilding (d) All of the above

23. विदेशी व्यापार में आदेश पत्र से तात्पर्य है।
(a) निर्माता को सीधे भेजें गए आदेश से
(b) निर्यात एजेण्ट के माध्यम से भेजे गए आदेश से
(c) जहाज के कप्तान को जहाजी कम्पनी द्वारा दिए गए आदेश से
(d) उपरोक्त सभी

Order letter in foreign trade means
(a) From orders sent directly to the manufacturer
(b) From orders sent through export agents
(c) By the order given by the shipping company to the captain of the ship.

(d) All of the above

24. भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव है।

(a) विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि
(b) निर्यात में वृद्धि
(c) विकास की दर में वृद्धि
(d) इनमें से कोई नहीं

The impact of globalization in India is

(a) Increase in foreign exchange reserves
(b) Increase in exports
(c) Increase in the rate of growth
(d) None of these

25. FDI से आशय है।

(a) निशुल्क प्रत्यक्ष निवेश (b) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
(c) वन निक्षेप निवेश (d) स्थाई जमा निवेश

FDI means

(a) Free direct investment
(b) Foreign direct investment
(c) Forest Deposit Investment
(d) Fixed Deposit Investment

26. विदेशी व्यापार दो देशों के बीच उत्पन्न करता है।

(a) मतभेद (b) सहयोग
(c) घृणा (d) प्रतिस्पर्धा

Foreign trade arises between two countries

(a) differences (b) cooperation
(c) Hatred (d) Competition

27. अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में आयात व निर्यात के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए किससे अनुमति लेनी होती है।

(a) न्यायालय
(b) राज्य सरकार
(c) निर्यात तथा आयात नियन्त्रक
(d) इनमें से कोई नहीं

From whom is permission required to obtain license for import and export in international business?

(a) Court
(b) State government
(c) Export and Import Controller
(d) none of these

28. जो अधिकारी देश की सीमाओं पर विदेश को माल जाने या विदेशों से माल आने पर कुछ प्रशुल्क लगाता है। इन प्रशुल्कों को कहा जाता है।

(a) सीमा शुल्क अधिकारी (b) आयकर अधिकारी
(c) उच्च अधिकारी (d) इनमें से कोई नहीं

The officer who imposes certain tariffs on goods going abroad or goods coming from abroad on the borders of the country. These tariffs are called.

(a) Customs Officer
(b) Income Tax Officer
(c) higher officer
(d) none of these

29. प्रायः सभी सरकारें देश में आयातित माल या देश में निर्यात होने वाले माल पर कुछ प्रशुल्क लगाती हैं। इन प्रशुल्कों को कहा जाता है।

(a) उत्पादन कर (b) कस्टम ड्यूटी
(c) विक्रय कर (d) उपरोक्त सभी

Almost all governments impose some tariffs on goods imported into the country or exported into the country. These tariffs are called.

(a) Production tax (b) Custom duty
(c) Sales tax (d) All of the above

30. जो प्रमाणपत्र निर्यातकर्ता के देश में स्थित आयातकर्ता के वाणिज्य दूतावास में भेजे गये माल के बीजक के सम्बन्ध में दिया जाता है उसे कहते हैं।

(a) बीजक (b) आज्ञा-पत्र
(c) कौंसुलर बीजक (d) इनमें से कोई नहीं

The certificate which is given in relation to the invoice of goods sent to the Consulate of the importer located in the country of the exporter is called.

(a) Invoice (b) Order letter
(c) Consular Invoice (d) None of these

31. जब निर्यातकर्ता द्वारा आयातकर्ता के गोदाम तक माल पहुँचाने के खर्चे भी सहन किए जाते हैं तो उसे 'कहते हैं।

(a) स्थानीय मूल्य (b) F.O.B
(c) सब खर्चे मुक्त (d) इनमें से कोई नहीं

When the exporter bears the expenses of transporting the goods to the importer's warehouse, it is called.

(a) Local Price (b) F.O.B
(c) All expenses free (d) None of these

32. WTO(world trade organization) का मुख्यालय कहाँ है।

(a) न्यूयॉर्क (b) जिनेवा
(c) जापान (d) इनमें से कोई नहीं

Where is the headquarters of WTO(world trade organization)

(a) New York (b) Geneva
(c) Japan (d) None of these

33. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का निम्न में से क्या आधार होता है।

(a) दो देशों की भागीदारी (b) ट्रेडिंग

(c) विपणन (d) सेवाएँ

Which of the following is the basis of international trade?

(a) Partnership between two countries
(b) Trading
(c) Marketing
(d) Services

34. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व निम्न में से किस कारण से है।

(a) संसाधनों का अधिक क्षमता से उपयोग
(b) आयात-निर्यात
(c) सरकारी नियन्त्रण
(d) भाषा-भेद

International trade is important due to which of the following reasons?

(a) More efficient use of resources
(b) Import-export
(c) Government control
(d) Language discrimination

35. निम्न में से कौन अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय की विशेषता है।

(a) दो देशों की भागीदारी
(b) विदेशी मुद्रा में भुगतान
(c) सरकारी हस्तक्षेप
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following is a characteristic of international business?

(a) Partnership of two countries
(b) Payment in foreign currency
(c) government intervention
(d) All of the above

36. निम्न में से कौन-सा देश भारत का प्रमुख व्यावसायिक नहीं है ?

(a) यू. एस. ए. (b) यू.के.
(c) जर्मनी (d) न्यूजीलैण्ड

Which of the following countries is not a major business partner of India?

(a) U. S. A. (b) UK
(c) Germany (d) New Zealand

37. विश्व बैंक से सम्बद्ध है-

(a) ICICI (b) निर्यात आयात बैंक
(c) IDA (d) एशियन विकास बैंक

World Bank is associated with-

(a) ICICI
(b) Export Import Bank
(c) IDA
(d) Asian Development Bank

38. निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही नहीं है ?

(a) भारत विश्व बैंक का प्रारम्भिक सदस्य नहीं है
(b) अनकटाड (UNCTAD) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है
(c) UNCTAD का सचिवालय जेनेवा में है
(d) भारत गेट का 1947 में सदस्य बना

Which of the following statements is not correct?

(a) India is not an initial member of the World Bank
(b) UNCTAD is an organization affiliated with the United Nations.
(c) The secretariat of UNCTAD is in Geneva.
(d) Became a member of Bharat Gate in 1947

39. गेट लागू हुआ था-

(a) 30 अक्टूबर, 1947 को
(b) 15 मार्च, 1947 को
(c) 26 अप्रैल, 1945 को
(d) 12 मई, 1949 को

The gate was implemented-

(a) On October 30, 1947
(b) On March 15, 1947
(c) On April 26, 1945
(d) On May 12, 1949

40. प्रवेश के निम्न माध्यमों में से कौन-सा माध्यम फर्म को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के अधिक समीप लाता है ?

(a) लाइसेंसिंग (b) फ्रेंचाइजिंग
(c) ठेके पर विनिर्माण (d) संयुक्त उपक्रम

Which of the following means of entry brings the firm closer to the international market?

(a) Licensing
(b) franchising
(c) Contract manufacturing
(d) joint venture

41. गेट का समापन वर्ष था-

(a) 1944 (b) 1997
(c) 1995 (d) 1985

The year of completion of GATE was-

(a) 1944 (b) 1997
(c) 1995 (d) 1985

42. विश्व व्यापार संगठन का कार्यक्षेत्र गेट की तुलना में है-

(a) व्यापक (b) संकीर्ण
(c) समान (d) इनमें से कोई नहीं

The scope of work of WTO is compared to GATE-

(a) comprehensive (b) narrow
(c) same (d) none of these

43. भारत विश्व बैंक का सदस्य कब बना ।
(a) 1950 (b) 1948
(c) 1945 (d) 1949

When did India become a member of the World Bank?
(a) 1950 (b) 1948
(c) 1945 (d) 1949

44. विश्व बैंक का सदस्य बनने हेतु आवश्यक है-
(a) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की सदस्यता
(b) UNCTAD की सदस्यता
(c) विश्व व्यापार संगठन की सदस्यता
(d) संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता

To become a member of the World Bank, it is necessary-
(a) Membership of the International Monetary Fund
(b) Membership of UNCTAD
(c) Membership of World Trade Organization
(d) Membership of the United Nations

45. विदेशी व्यापार की दशा में सी. आई. एफ. में शामिल है-
(a) लागत (b) लागत एवं बीमा
(c) लागत व किराया (d) लागत, किराया एवं बीमा

In case of foreign trade, C.I.F. Includes-
(a) Cost
(b) Cost and Insurance
(c) Cost and rent
(d) Cost, rent and insurance

46. EPZ की विशेषता है-
(a) विशेष क्षेत्र में स्थापित
(b) सरकार द्वारा स्थापना
(c) योग्य औद्योगिक इकाईयों में प्रवेश
(d) उपर्युक्त सभी

The specialty of EPZ is-
(a) established in a particular area
(b) Establishment by the government
(c) Entry into eligible industrial units
(d) All of the above

47. SEZ को स्थापित किया जाता है-
(a) निजी क्षेत्र के द्वारा
(b) राज्य सरकार द्वारा
(c) उपरोक्त (a) तथा (b) दोनों द्वारा
(d) इनमें से कोई नहीं

SEZ is established by-
(a) By private sector
(b) by the state government
(c) By both (a) and (b) above
(d) none of these

48. शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी के विषय में निम्नलिखित क्या सत्य है ?
(a) 1981 में आरम्भ
(b) EPZ योजना का पूरक
(c) अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का दृष्टिकोण
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following is true about 100 percent export-oriented?
(a) Started in 1981
(b) Complementing the EPZ scheme
(c) Perspective of additional production capacity
(d) All of the above

49. यदि कोई फर्म किसी अन्य फर्म के बाद विदेश में कोई नई फर्म बनाए तो यह कहलाएगी-
(a) लाइसेंसिंग (b) निर्माण संविदा
(c) फ्रैंचाइजिंग (d) संयुक्त उपक्रम

If a firm forms a new firm abroad after another firm, then it will be called-
(a) Licensing
(b) construction contract
(c) franchising
(d) joint venture

50. अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में समस्त उत्पादन अथवा उसके एक भाग का बाह्य स्रोतीकरण एवं विपणन क्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित करने को कहते हैं-
(a) अनुज्ञप्ति (b) फ्रेंचाइजिंग
(c) ठेके पर विनिर्माता (d) संयुक्त उपक्रम

In international business, outsourcing of the entire production or a part of it and focusing on marketing activities is called-
(a) license
(b) franchising
(c) contract manufacturer
(d) joint venture

51. दो अथवा दो से अधिक फर्मों द्वारा मिलकर एक नई व्यावसायिक इकाई का निर्माण, जोकि अपनी जनक इकाईयों से कानूनी रूप से स्वतन्त्र एवं पृथक् हैं, को कहते हैं-
(a) ठेके पर विनिर्माण (b) फ्रैंचाइजिंग
(c) संयुक्त उपक्रम (d) लाइसेंसिंग

Creation of a new business unit by two or more firms, which are legally independent and separate from their parent units, is called -

(a) Contract manufacturing
(b) Franchising
(c) Joint venture
(d) Licensing

52. निम्न में से कौन-सा निर्यात व्यापार का लाभ नहीं है?

(a) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश का सरल मार्ग
(b) तुलना में कम जोखिम
(c) विदेशी बाजारों में सीमित उपस्थिति
(d) निवेश की आवश्यकता कम

Which of the following is not an advantage of export trade?

(a) Easy way to enter the international market
(b) less risk than
(c) Limited presence in foreign markets
(d) less need for investment

53. प्रवेश की निम्न माध्यमों में से किसमें जोखिम अधिक है?

(a) लाइसेंसिंग (b) संयुक्त उपक्रम
(c) ठेके पर विनिर्माण (d) फ्रेंचाइजिंग

Which of the following means of entry has greater risk?

(a) Licensing
(b) Joint venture
(c) Contract manufacturing
(d) Franchising

54. निम्न में से कौन-सी मद भारत की प्रमुख निर्यात मदों में से एक नहीं है ?

(a) कपड़ा एवं वस्त्र
(b) रत्न एवं जेवरात
(c) तेल एवं पेट्रोलियम उत्पाद
(d) बासमती चावल

Which of the following items is not one of the major export items of India?

(a) Textiles and clothing
(b) Gems and jewelry
(c) Oil and petroleum products
(d) Basmati rice

55. निम्न में से कौन-सी मद भारत की प्रमुख आयात मदों में से एक नहीं है?

(a) आयुर्वेदिक दवाइयाँ
(b) तेल एवं पेट्रोलियम उत्पाद
(c) मोती एवं कीमती पत्थर
(d) मशीनरी

Which of the following items is not one of the major import items of India?

(a) Ayurvedic medicines
(b) Oil and petroleum products
(c) Pearls and precious stones
(d) machinery

56. प्रवेश के निम्न माध्यमों में से किसमें विदेश में व्यवसाय पर सर्वाधिक नियन्त्रण की अनुमति होती है?

(a) लाइसेंसिंग / फ्रेंचाइजिंग
(b) सम्पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी
(c) ठेके पर विनिर्माण
(d) संयुक्त उपक्रम

Which of the following modes of entry allows the most control over business abroad?

(a) Licensing/Franchising
(b) Wholly owned subsidiary company
(c) Contract manufacturing
(d) joint venture

57. निम्न में से कौन-सा प्रलेख कस्टम सम्बन्धित औपचारिकताओं का भाग नहीं है ?

(a) जहाजी बिल (b) निर्यात लाइसेंस
(c) बीमा पत्र (d) सूचनार्थ बीजक

Which of the following documents is not a part of custom related formalities?

(a) shipping bill
(b) Export license
(c) Insurance letter
(d) Invoice for information

58. निम्न में से कौन-सा निर्यात सम्बन्धी प्रलेखों में सम्मिलित नहीं है?

(a) वाणिज्यिक बीजक
(b) उद्गम स्थान प्रमाणपत्र
(c) प्रवेश बिल
(d) करिन्दे की रसीद

Which of the following is not included in export related documents?

(a) Commercial invoice
(b) Certificate of Origin
(c) bill of entry
(d) Karinda's receipt

59. जब माल का जहाज पर लदान करा दिया जाता है तो जहाज के कप्तान द्वारा जारी रसीद को कहते हैं-

(a) जहाजरानी रसीद
(b) कारिन्दे की रसीद
(c) नौभार माल रसीद
(d) जहाज के किराए की रसीद

When goods are loaded on a ship, the receipt issued by the captain of the ship is called-

(a) Shipping receipt
(b) Clerk's receipt
(c) cargo receipt
(d) receipt for ship hire

60. **निम्न में से कौन-सा प्रलेख निर्यातक द्वारा बनाया जाता है, जिसमें जहाज से माल भेजने से सम्बन्धित विवरण होता है; जैसे भेजने वाले का नाम, पैकेजों की संख्या, जहाजी बिल, गन्तव्य बन्दरगाह, जहाज का नाम आदि।**

(a) जहाजी बिल (b) पैकेजिंग सूची
(c) कारिन्दे की रसीद (d) विनिमय-पत्र

Which of the following documents is made by the exporter, which contains details related to sending goods by ship; Such as sender's name, number of packages, shipping bill, destination port, ship name etc.

(a) shipping bill (b) Packaging List
(c) clerk's receipt (d) bill of exchange

61. **प्रलेख जिसमें बैंक द्वारा उस पर निर्यातक द्वारा लिखे बिल के भुगतान की गारण्टी दी होती है। वह है-**

(a) बन्धक-पत्र (b) साख पत्र
(c) जहाजी बिल्टी (d) विनिमय-पत्र

Document in which the bank guarantees the payment of the bill drawn on it by the exporter. he is-

(a) mortgage letter (b) letter of credit
(c) ship bilge (d) bill of exchange

62. **निम्न में से कौन-सा विश्व बैंक समूह का सदस्य नहीं है ?**

(a) पुनर्निर्माण एवं विकास का अन्तर्राष्ट्रीय बैंक
(b) बहुआयामी निवेश गारण्टी एजेन्सी
(c) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ
(d) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

Which of the following is not a member of the World Bank Group?

(a) International Bank for Reconstruction and Development
(b) Multidimensional Investment Guarantee Agency
(c) International Development Association
(d) International Monetary Fund

63. **प्रवेश के निम्न माध्यमों में से किसमें घरेलू विनिर्माता फीस के बदले अन्य देश के विनिर्माता का अपनी बौद्धिक परिसम्पत्तियों, जैसे पेटेंट एवं ट्रेडमार्क, का प्रयोग करने का अधिकार देता है-**

(a) अनुज्ञप्ति (b) अनुबन्ध
(c) संयुक्त उपक्रम (d) इनमें से कोई नहीं

In which of the following means of entry, the domestic manufacturer gives the right to use its intellectual assets, such as patents and trademarks, to the manufacturer of another country in exchange for a fee -

(a) license (b) contract
(c) Joint venture (d) none of these

64. **एक संयुक्त स्वामित्व उपक्रम कितने प्रकार से बनाया जा सकता है ?**

(a) दो प्रकार से (b) तीन प्रकार से
(c) चार प्रकार से (d) पाँच प्रकार से

In how many ways can a joint ownership venture be formed?

(a) in two ways
(b) in three ways
(c) in four ways
(d) in five ways

65. **संयुक्त उपक्रम द्वारा विदेशी व्यापार के प्रवेश की कौन-सी सीमा है ?**

(a) कम वित्तीय कठिनाई
(b) स्थानीय जोखिम में कमी
(c) गुप्त बातें खुलने का भय
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

What is the limit for entry into foreign business through joint venture?

(a) less financial difficulty
(b) Reduction in local risk
(c) Fear of revealing secrets
(d) None of the above

66. **पूर्णतया स्वामित्वाधीन सहायक कम्पनियों के माध्यम से विदेशी व्यापार में प्रवेश होने का कौन-सा लाभ है ?**

(a) लघु फर्मों के लिए अनुपयुक्त
(b) उच्च राजनैतिक खतरे
(c) गुप्तता सम्भव
(d) सम्पूर्ण हानि वहन करना

What is the advantage of entering foreign business through wholly owned subsidiaries?

(a) Unsuitable for small firms
(b) high political threats
(c) secrecy possible
(d) To bear the entire loss

67. **लदाई सहित मूल्य में कौन-सा मूल्य शामिल नहीं होता ?**

(a) जहाज का भाड़ा
(b) जहाज में माल लादने का खर्च
(c) माल को बन्दरगाह तक पहुँचाने का व्यय

(d) उपर्युक्त सभी

Which price is not included in the price including shipping?

(a) Ship fare

(b) Cost of loading goods into a ship

(c) Expenses of transporting the goods to the port

(d) All of the above

68. निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-से प्रलेखों की आवयश्कता नहीं होती।

(a) आई. पी. सी. नम्बर

(b) साख पत्र

(c) पंजीयन संगसदस्यता प्रमाणपत्र

(d) बैंक खाता संख्या

Which of the following documents is not required to obtain an export license?

(a) IPC number

(b) letter of credit

(c) Certificate of Registration and Membership

(d) Bank account number

69. आयात लेन-देनों में निम्नलिखित में से किस प्रलेख की आवश्यकता नहीं होती ?

(a) जहाजी बिल्टी

(b) जहाजी बिल

(c) उद्गम स्थान सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

(d) लदान सम्बन्धी सूचना

Which of the following documents is not required in import transactions?

(a) Ship bilge

(b) shipping bill

(c) Certificate of origin

(d) Shipment related information

70. निम्न में से कौन-सा शुल्क वापसी योजना का अंग नहीं है ?

(a) उत्पादन शुल्क की वापसी

(b) सीमा शुल्क की वापसी

(c) निर्यात कर की वापसी

(d) लदान बन्दरगाह पर बन्दरगाही

Which of the following is not a part of the duty refund scheme?

(a) Refund of excise duty

(b) Refund of customs duty

(c) Refund of export tax

(d) Port of loading port

बहुवैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर (M C Q ANSWERS)

1	d	2	a	3	c	4	a	5	b	6	b
7	b	8	c	9	b	10	c	11	a	12	b
13	a	14	a	15	b	16	a	17	a	18	c
19	b	20	a	21	b	22	c	23	a	24	b
25	b	26	b	27	c	28	a	29	b	30	c
31	c	32	b	33	a	34	a	35	d	36	d
37	c	38	a	39	a	40	d	41	c	42	a
43	c	44	a	45	d	46	d	47	c	48	d
49	d	50	c	51	c	52	c	53	b	54	c
55	a	56	d	57	d	58	c	59	b	60	c
61	b	62	d	63	a	64	b	65	c	66	c
67	a	68	b	69	a	70	d				

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Questions)

1. डब्ल्यू.टी.ओ. का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: विश्व व्यापार संगठन का प्रमुख उद्देश्य विश्व व्यापार में बाधाओं को कम करना एवम स्वतंत्र और अच्छे रूप से गतिशील व्यापार को प्रोत्साहित करना है। ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के माध्यम से अधिक विकास कर सकें।

What is the main objective of WTO?

Ans: The main objective of the World Trade Organization (WTO) is to reduce barriers to world trade and to encourage free and fair trade. So that they can develop more through international trade.

2. क्या अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय सरकार की देख-रेख के बिना सम्भव है?

उत्तर: नहीं, यह सम्पूर्णत: सरकार के निरीक्षण के बिना संभव नहीं है।

Is international business possible without government supervision?

Ans: No, this is not possible without complete government supervision.

3. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब और क्यों की गई ?

उत्तर: विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को हुई थी, और इसका मुख्य कारण था अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियमित और न्यायिक बनाने का प्रयास करना, जिससे विश्व व्यापार में निष्पक्षता और अधिक अन्याय के खिलाफ सुरक्षितीकरण हो सके।

When and why was the World Trade Organization established?

Ans: The World Trade Organization was established on January 1, 1995, and its main reason was

to try to make international trade regular and judicial, thereby ensuring fairness in world trade and against greater injustice.

4. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना क्यों की गई ?

उत्तर: इसकी स्थापना व्यापार के सन्तुलित विकास, अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग तथा सदस्य देशों के भुगतान शेष की अस्थाई असन्तुलन की समस्या को सुलझाने के उद्देश्य से की गई।

Why was the International Monetary Fund established?

Ans: It was established with the objective of balanced development of trade, international monetary cooperation and solving the problem of temporary imbalance in the balance of payments of the member countries.

5. भारत में विदेशी विनिमय संव्यवहारों को कौन नियन्त्रित करता है?

उत्तर: भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया का विदेशी विनिमय नियन्त्रण विभाग।

Who controls foreign exchange transactions in India?

Ans: Foreign Exchange Control Department of Reserve Bank of India.

6. निर्यात प्रोन्नति परिषद् (Export Promotion Council or EPC) क्या है ?

उत्तर: यह एक गैर लाभकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य उसके क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले विशिष्ट उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देना व विकास करना होता है।

What is Export Promotion Council or EPC?

Ans: It is a non-profit organization whose main objective is to promote and develop the export of specific products falling under its area.

7. निर्यात निरीक्षण परिषद् (Export Inspection Council or EIC) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: निर्यात व्यापार के सुदृढ़ विकास के लिये गुणवत्ता नियन्त्रण एवं पूर्व लदान निरीक्षण करना ।

What is the main objective of Export Inspection Council or EIC?

Ans: To carry out quality control and pre-shipment inspection for the strong development of export trade.

8. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों हेतु एक प्रणाली विकसित करना और सदस्यों के मध्य विनिमय दरों में समायोजन करना।

What is the main objective of the International Monetary Fund (IMF)?

Ans: Developing a system for international payments and adjusting exchange rates among members.

9. विश्व व्यापार संगठन का क्या उद्देश्य है ?

उत्तर: विश्व व्यापार संगठन का मूलभूत उद्देश्य विश्वव्यापी स्तर पर प्रशुल्क और व्यापार की बाधाओं को हटाना, व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करना एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास करना है।

What is the objective of World Trade Organization?

Ans: The basic objective of the World Trade Organization is to remove tariffs and trade barriers at the worldwide level, strengthen trade relations and develop international trade.

10. कप्तान की रसीद से क्या आशय है ?

उत्तर: जहाज पर माल लद जाने के पश्चात जहाज का कप्तान अथवा उसकी सहायक जो माल प्राप्त होने की रसीद देता है वह कप्तान की रसीद कहलाती है।

What is meant by Captain's receipt?

Ans: After the goods are loaded on the ship, the receipt given by the captain of the ship or his assistant for receiving the goods is called captain's receipt.

लघु उत्तरीय प्रश्न
(Short Answer Questions)

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय का परिभाषा दीजिए।

उत्तर: जब कोई देश अपनी सभी जरूरतों को स्वयं पूरा नहीं कर सकता उसे दूसरे देशों पर निर्भर रहना ही पड़ता है। एक देश उत्पादित वस्तुओं को दूसरे देशों को बेच देता है और वहाँ से अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ क्रय कर लेता है। इस प्रकार दो देशों के मध्य होने वाले कय-विक्रय को 'अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय' कहते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय वस्तुओं और सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय विनिमय को सूचित करता है और यह विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यवसाय देशों के बीच वस्तुओं के विनिमय, निवेश, पूंजी, तकनीकी अनुसंधान, और अन्य विविध कार्यों को सम्मिलित करता है और दुनियाभर में विकास और सहयोग की अवसरों को प्रदान करता है।

Define international business.

Ans: When a country cannot fulfill all its needs on its own, it has to depend on other countries. One country sells the goods it produces to other countries and purchases the goods it needs from there. In this way, buying and selling between two countries is called 'International Business'. International trade refers to the international exchange of goods and services and it plays an important role in the world economy. This business involves the exchange of goods, investment, capital, technological research, and other diverse activities between countries and provides

opportunities for development and cooperation around the world.

2. इण्डेण्ट क्या है।

उत्तर: "इंडेंट" विदेशी व्यापार में आपूर्ति के लिए आदेश तैयार करने के लिए उपयोग होने वाला एक विशेष शब्द है। यह आदेश आमतौर पर व्यापारी या आयातकर्ता द्वारा निर्माता या निर्यातकर्ता के पास भेजा जाता है जिसमें विशिष्ट आवश्यकताओं, जानकारी, और आदेश की विशेष शर्तों का वर्णन होता है। इसके आधार पर निर्माता या निर्यातकर्ता उचित वस्तुओं की आपूर्ति करता है। इंडेंट आपूर्ति और आदेश प्रक्रिया को संगठित और सुविधाजनक बनाने में मदद करता है ताकि व्यापारी संबंध व्यापार की सामग्री की सही मांग और पूर्ति के साथ कर सकें।

What is indent?

Ans: "Indent" is a special term used in foreign trade for preparing orders for supplies. This order is usually sent by the trader or importer to the manufacturer or exporter describing the specific requirements, information, and special conditions of the order. Based on this the manufacturer or exporter supplies the appropriate goods. Indent helps to organize and facilitate the supply and ordering process so that the merchant can deal with the right demand and fulfillment of the business material.

3. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से क्या समझते है।

उत्तर: अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्था है जिसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच मुद्रा नीति को समबोधित करना, अर्थतंत्र को सुधारना, और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय स्थिरता को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, IMF अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों में उत्पन्न होने वाली बाधाओं का समाधान भी करता है ताकि आर्थिक स्थिति सुधार सके। भारत भी IMF का सदस्य है और इसके अनुसार योगदान देता है और उसकी सदस्यता से आर्थिक सहयोग और संरक्षा प्राप्त करता है।

What do you understand by International Monetary Fund?

Ans: The International Monetary Fund is an international monetary organization whose main objective is to address monetary policy among member countries, improve the economy, and encourage international trade and financial stability. Apart from this, IMF also resolves the obstacles arising in international payments so that the economic situation can improve. India is also a member of the IMF and contributes accordingly and receives economic support and security from its membership.

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रयुक्त प्रलेख कौन- कौन सा है।

उत्तर (i) इण्डेण्ट, (ii) साख पत्र(iii) नियांत लाइसेन्स, (iv) जहाजी आदेश, (v) जहाजी बिल, (vi) डॉक रसीद, (vii) कप्तान की रसीद, (viii) जहाजी बिल्टी, (ix) समुद्री बीमा-पत्र, (x) निर्यात बीजक, (xi) वाणिज्यिक दूत द्वारा प्रामाणिक बीजक, (xii) मूल स्थान का प्रमाण-पत्र तथा (xiii) आयातकर्ता को सूचना ।

Which are the documents used in international trade?

Ans: (i) Indent, (ii) Letter of Credit, (iii) Shipping License, (iv) Shipping Order, (v) Shipping Bill, (vi) Dock Receipt, (vii) Captain's Receipt, (viii) Shipping Bill, (ix) Marine Insurance Bill, (x) Export Invoice, (xi) Invoice certified by Commercial Constable, (xii) Certificate of Origin and (xiii) Information to the Importer.

5. निर्यात संवर्द्धन से क्या आशय है।

उत्तर: निर्यात संवर्द्धन का मुख्य उद्देश्य एक देश के निर्यातकर्ताओं को बढ़ती निर्यात, अधिक मुनाफा, और विदेशी बाजारों में उनके उत्पादों की पहुंच को बढ़ाना है। इसके माध्यम से देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है, और यह नौकरियों के अवसरों की सृजना और विदेशी मुद्रा की आय को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, यह विदेशी बाजार में विदेशी ऋणभार को कम करने में मदद करता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होती है।

What is meant by export promotion?

Ans: The main objective of export promotion is to help the exporters of a country by increasing exports, more profits, and increasing the reach of their products in foreign markets. Through this, the economic development of the country is promoted, and it promotes the creation of job opportunities and foreign exchange earnings. Moreover, it helps in reducing the external debt burden in the foreign market, thereby improving the economic condition of the country.

6. जहाजी बिल्टी क्या है।

उत्तर: एजेण्ट कप्तान की रसीद लेकर कम्पनी के कार्यालय में जाता है जहाँ से वह बिल्टी का छपा हुआ फार्म भर कर, कप्तान की रसीद के साथ कार्यालय में जमा करा देता है। जहाजी कम्पनी का अधिकारी कप्तान की रसीद अपने पास रख लेता है और जहाजी बिल्टी पर हस्ताक्षर करके एजेण्ट को दे देता है। यदि जहाज का भाड़ा पेशगी दिया जाता है तो भाड़े का भुगतान करने के बाद ही हस्ताक्षरित बिल्टी प्राप्त होती है। जहाजी बिल्टी में कप्तान की रसीद में लिखे विवरण के अनुसार ही माल का विवरण दिया जाता है।

What is ship bilty?

Ans: The agent takes the captain's receipt and goes to the company's office from where he fills the printed bill form and submits it to the office along with the captain's receipt. The officer of the shipping company keeps

the captain's receipt with himself and signs the shipping bill and gives it to the agent. If the freight is paid in advance, the signed bill of lading is received only after the freight is paid. In the ship's bill, the details of the cargo are given as per the details written in the captain's receipt.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(Long Answer Type Questions)

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय से राष्ट्रों एवम फर्मों के लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर A.**अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय से राष्ट्र को लाभ :-**

1. विदेशी मुद्रा की प्राप्ति – विदेशी व्यापार से एक देश को विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है, और इसे विदेशी मुद्रा के संग्रह करने का सर्वोत्तम साधन माना जाता है। कोई भी देश अपने यहाँ से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का निर्यात करके बदले में सोना, चाँदी विदेशी मुद्रा का भण्डार कर सकता है। किसी भी देश की सम्पन्नता का मापदण्ड उसका विदेशी मुद्रा भण्डार होता है।

2. विकास की सम्भावनाओं और रोजगार के अवसरों में वृद्धि–विदेशी व्यापार के माध्यम से एक देश अपने औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा दे सकता है और इसके माध्यम से विकास और रोजगार की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। विदेशी व्यापार के माध्यम से वस्त्र, उपकरण, और सेवाओं का उत्पादन वृद्धि हो सकता है, जिससे देश के उत्पादकों को अधिक रोजगार के अवसर मिलते हैं।

3. संसाधनों का अधिकतम उपयोग - विदेशी व्यापार से एक देश के पास विभिन्न प्रकार के संसाधन होते हैं। इन संसाधनों का व्यवसायिक उपयोग करने के माध्यम से उनका सुदृढ़िकरण किया जा सकता है,विदेशी व्यापार के द्वारा ही प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना सम्भव है। विदेशी व्यापार से प्रत्येक राष्ट्र को लाभ पहुँचता है क्योंकि कम लागत पर वही माल विदेशों से मँगाया जा सकता है। प्राकृतिक साधनों के अनुकूल एक ही वस्तु के बार-बार उत्पादन करने से विशिष्टीकरण के लाभ प्राप्त होते हैं। जिससे उपयोगिता बढ़ती है।

4. जीवन स्तर में वृद्धि - विदेशी व्यापार के द्वारा विदेशों में उत्पादित उच्च क्वालिटी का सामान उपभोग के लिये उपलब्ध होता है। अतः अन्य देशों के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि होती है।

(B) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय से फर्मों को लाभ :-

1.तकनीकी अद्यतन - अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने के परिणामस्वरूप, फर्में नवाचार और नई तकनीकों का ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं और इसे अपने उत्पादों और सेवाओं में लागू करके अपनी प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बन सकती हैं।

2.संयुक्त उत्पादन - अंतरराष्ट्रीय व्यापार के माध्यम से, फर्में विभिन्न भागों में स्थित अन्य फर्मों के साथ संयुक्त उत्पादन कर सकती हैं, जिससे उनके उत्पादों की गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार हो सकता है।

3. उच्चतम क्षमता का उपयोग - विदेशी व्यापार के द्वारा औद्योगिक इकाइयाँ अपनी उच्चतम क्षमता का प्रयोग करके अपना विस्तार कर सकती हैं। इससे उन्हें कई लाभ होते हैं। एक ओर तो वे अपनी बेकार पड़ी उत्पादन क्षमता का उपयोग कर सकते हैं और दूसरी ओर बड़े पैमाने के उत्पादन के लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

4. अधिक लाभ की सम्भावना – विदेशी व्यापार से, घरेलू व्यापार की तुलना में अधिक लाभ होते हैं। जब घरेलू बाजार में वस्तुओं के मूल्य कम हो रहे हों तथा लाभ घट रहे हों, ऐसे में अपना माल विदेशों में बेचकर व्यापारी अधिक लाभ कमा सकते हैं।

5. प्रतियोगिता से बचाव– ऐसी व्यावसायिक फर्में जो घरेलू बाजार में घोर प्रतियोगिता का सामना कर रही होती हैं, उनके लिये विदेशी बाजार एक बहुत ही सुविधाजनक व्यापारिक स्थान बनकर उभरा है। ऐसी औद्योगिक इकाइयाँ विदेशी बाजार का रुख करके अपने अस्तित्व को बचाये रख सकती हैं।

6. अन्तर्राष्ट्रीय पहचान– ऐसी व्यावसायिक फर्में जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं, उनके लिये विदेशी व्यापार ही एकमात्र विकल्प होता है, विदेशी व्यापार के माध्यम से व्यवसायिक फर्में अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क बना सकती हैं, जिससे उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और समर्थन मिलता है। विदेशी व्यापार के माध्यम से व्यावसायिक फर्में अन्य अंतर्राष्ट्रीय फर्मों के साथ साझेदारी कर सकती हैं, जिससे उनकी अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुति मजबूत होती है।

7. कीमतों में स्थिरता –अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के होने के कारण माँग एवं पूर्ति की शक्तियों में सन्तुलन रखा जा सकता है और सम्पूर्ण विश्व में वस्तुओं के मूल्यों में समानता लाने का प्रयास किया जाता है।

8. उच्च व्यावसायिक दृष्टिकोण –अनेक फर्में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करने का दृष्टिकोण रखती है। इन फर्मों के लिए अपना उद्देश्य व्यवसाय ही एकमात्र रास्ता है।

Describe the benefits of international trade to nations and firms.

Ans: (A) Benefits to the nation from international business:-

1. Receipt of foreign exchange - A country receives foreign exchange from foreign trade, and it is considered the best means of accumulating foreign exchange. Any country can export more goods than its requirement and store gold and silver as foreign currency in return. The measure of prosperity of any country is its foreign exchange reserves.

2. Increase in development possibilities and employment opportunities - Through foreign trade, a country can promote its industrial production and through this, development and employment opportunities can increase. Through foreign trade, clothing, equipment, and Production of services may increase, thereby providing more employment opportunities to the country's producers.

3. Maximum use of resources - Foreign trade makes a country possess a variety of resources. These resources can be strengthened through their commercial use; it is possible to make maximum use of natural resources only through foreign trade. Every nation benefits from foreign trade because the same goods can be imported from abroad at a lower cost. The benefits of specialization are achieved by repeatedly producing the same product using natural resources. Due to which utility increases.

4. Increase in standard of living - High quality goods produced abroad are available for consumption through foreign trade. Hence the standard of living of the people of other countries increases.

(B) Benefits to firms from international business:-

1.Technological updates - As a result of doing international business, firms can gain knowledge of innovation and new technologies and apply it in their products and services to become leaders in their competition.

2.Joint Production - Through international trade, firms can do joint production with other firms located in different parts, thereby improving the quality and availability of their products.

3. Utilization of highest potential - Through foreign trade, industrial units can expand by utilizing their highest potential. They get many benefits from this. On the one hand, they can utilize their idle production capacity and on the other hand, they can get the benefits of large-scale production.

4. Possibility of higher profits - Foreign trade brings more profits than domestic trade. When prices of goods are falling in the domestic market and profits are decreasing, traders can earn more profits by selling their goods abroad.

5. Protection from competition - For those business firms which are facing fierce competition in the domestic market, the foreign market has emerged as a very convenient business place. Such industrial units can maintain their existence by turning to the foreign market.

6. International Identity - For business firms that wish to establish their identity at the international level, foreign trade is the only option. Through foreign trade, business firms can create international business networks, which will enable them to cooperate at the international level. And get support. Through foreign trade business firms can partner with other international firms, thereby strengthening their international presence.

7. Stability in prices - Due to international trade, balance can be maintained between the forces of demand and supply and efforts are made to bring equality in the prices of goods all over the world.

8. High business vision - Many firms have a vision of achieving international fame. For these firms, pursuing their own objective business is the only way forward.

2. निर्यात व्यापार की कार्य-विधि का वर्णन कीजिए।

उत्तर: एक भारतीय निर्यातकर्ता को माल निर्यात करते समय निम्नलिखित कार्यविधि का पालन करना होता है-

1. व्यापारिक पूछताछ– जो व्यापारी अपना माल विदेशों में बेचना चाहते हैं उन्हें निर्यात कमीशन एजेण्ट निर्यात एजेण्ट या निर्यात दलाल से सम्पर्क करना होता है कि किन-किन देशों में उसके माल की माँग हो सकती है। आयातकर्ता से सम्पर्क स्थापित होने के बाद वह अपने माल की विशेषताओं, भुगतान की शर्तें आदि के बारे में जानकारी देता है।

2. इण्डेण्ट प्राप्त करना - व्यापारिक पूछताछ के बाद आयातकर्ता, निर्यातकों को इण्डेण्ट भेजता है। यह इण्डेण्ट दो प्रकार का हो सकता है– खुला इण्डेण्ट एवं बन्द इण्डेण्ट। खुले इण्डेण्ट में केवल माल की किस्म व मात्रा का उल्लेख किया जाता है इसके विपरीत बन्द इण्डेण्ट में सभी शर्तों का उल्लेख कर दिया जाता है।

3. साख संबंधी जानकारी – निर्यातकर्ता माल के भुगतान की सन्तुष्टि करने के लिये आयातकर्ता से 'साख-पत्र' की माँग कर सकता है। यह साख-पत्र आयातकर्ता के बैंक द्वारा निर्यातकर्ता के पक्ष में जारी किया जाता है। साख-पत्र में बैंक निर्यातकर्ता को इस बात का आश्वासन देता है कि वह एक निश्चित राशि का विनिमय पत्र स्वीकार करने के लिये तैयार है।

4. निर्यात लाइसेन्स प्राप्त करना– भुगतान की तरफ से निश्चित होने के बाद निर्यातकर्ता, निर्यात लाइसेन्स प्राप्त करने की कार्यवाही करेगा। निर्यात लाइसेन्स के लिये उसे 'आयात व निर्यात नियन्त्रक' के कार्यालय में आवेदन-पत्र देना होगा। आवेदन-पत्र के साथ निश्चित शुल्क भी जमा करना चाहिए। आयात व निर्यात नियन्त्रक द्वारा आवेदन पत्र की जाँच करने के बाद यदि अधिकारी सन्तुष्ट हो जाता है तो वह आवेदक को निर्यात लाइसेन्स जारी कर देता है।

5. विनिमय दर को निश्चित करना – विनिमय दर से आशय उस दर से है जिस पर एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा से बदला जाता है। विदेशी मुद्रा बाजार में विदेशी मुद्रा की माँग और पूर्ति से विनिमय दर बदलती रहती है।

6. माल एकत्रित करना - निर्यातकर्ता को अपने माल को सही तरीके से स्टॉक करने के लिए एक स्टॉकिंग प्रणाली

की आवश्यकता होती है। यह सही स्थान पर सही मात्रा में माल को रखने में मदद करता है ताकि आवश्यकता के समय माल तुरंत उपलब्ध हो।

7. माल की पैकिंग व चिन्ह डालना - पॅकिंग करते समय निर्यातकर्ता को ध्यान रखना चाहिये कि पैकिंग निर्दिष्ट विधि से ही कराई जाये। अगर आयातकर्ता ने कोई विधि नहीं बताई है तो प्रचलित विधि से ही पैकिंग करानी चाहिये। पैकिंग अच्छी तरह से करनी चाहिये जिससे माल अपने स्थान पर सुरक्षित पहुँच जाये।

8. रवानगी एजेण्ट की नियुक्ति - माल को बन्दरगाह तक भेजने तथा जहाज में लदवाने के लिये निर्यातकर्ता द्वारा रवानगी एजेण्ट की नियुक्ति की जाती है। रवानगी एजेण्ट रेलवे अथवा ट्रान्सपोर्ट से माल की सुपुर्दगी लेकर, माल को जहाज में लदवाने तक की सारी कार्यवाही करता है।

9. माल को बन्दरगाह के लिये भेजना – माल की तैयारी तथा रवानगी एजेण्ट की नियुक्ति के बाद, निर्यातकर्ता माल को बन्दरगाह के लिये रवाना कर देता है। सामान्यत: माल रेलवे के द्वारा भेजा जाता है। निर्यातकर्ता रेलवे रसीद रवानगी एजेण्ट के पास भेज देता है जिससे वह माल को रेलवे से छुड़ा लेता है।

10. बीजक बनाना – रवानगी एजेण्ट से माल के लदान की सूचना मिलने के बाद निर्यातकर्ता माल का बीजक बनाता है। बीजक निर्यातकर्ता और आयातकर्ता दोनों के मध्य निश्चित की गई शर्तों के अनुसार बनाया जाता है। बीजक में माल की मात्रा, मूल्य, किस्म, जहाज का नाम, पैकिंग, इण्डेण्ट की संख्या आदि का उल्लेख किया जाता है।

11. वाणिज्य दूत द्वारा प्रमाणित बीजक प्राप्त करना– कुछ देश प्रमाणित बीजक को मान्यता देते हैं। ऐसे बीजक निर्यातकर्ता के देश में व्यापारिक दूत द्वारा जारी किये जाते हैं। प्रमाणित बीजक से आयातक देश के सीमा शुल्क अधिकारियों को विश्वास हो जाता है और वे माल खोलकर नहीं देखते हैं।

12. मूल स्थान का प्रमाण-पत्र– कई बार कुछ देश अपने आयातकर्ताओं को किसी विशेष देश से माल मँगाने पर आयात कर में छूट देते हैं। यह छूट तभी प्राप्त होती है जबकि बीजक के साथ निर्यातकर्ता के मूल स्थान का प्रमाण-पत्र भी संलग्न हो। ऐसा प्रमाण-पत्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव या सरकार द्वारा अधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा जारी किया जा सकता है।

13. भुगतान सम्बन्धी प्रलेख बनाना - इसके बाद भुगतान सम्बन्धित पूर्व निश्चित शर्तों के आधार पर प्रलेख बनाये जाते हैं। प्रलेख बनाने के लिए, सबसे पहला कदम यह है कि आपको वित्तीय लेन-देन का स्पष्ट विवरण प्रदान करना होगा। इसमें आपके व्यवसाय के साथ किए जाने वाले लेन-देन की तमाम जानकारी, जैसे कि भुगतान की तिथि, राशि, और शर्तें, शामिल होनी चाहिए।

Describe the working of export trade.

Ans: An Indian exporter has to follow the following procedure while exporting goods-

1. Business enquiries: Traders who want to sell their goods abroad have to contact an export commission agent or export broker to find out in which countries their goods may be in demand. After establishing contact with the importer, he gives information about the characteristics of his goods, payment terms etc.

2. Receiving indent - After receiving trade enquiries, the importer sends indent to the exporter. This indent can be of two types - (i) Open indent and closed indent. In open indent, only the type and quantity of goods is mentioned, on the contrary, in closed indent, all the conditions are mentioned.

3. Credit related information - The exporter can ask for a 'Letter of Credit' from the importer to satisfy the payment for the goods. This letter of credit is issued by the importer's bank in favor of the exporter. In the letter of credit, the bank assures the exporter that it is ready to accept the bill of exchange for a certain amount.

4. Obtaining export license - After the payment is finalized, the exporter will take action to obtain the export license. For export license he will have to apply to the office of 'Import and Export Controller'. The prescribed fee should also be deposited along with the application form. After checking the application by the Import and Export Controller, if the officer is satisfied then he issues the export license to the applicant.

5. Fixing the exchange rate - Exchange rate means the rate at which the currency of one country is exchanged for the currency of another country. The exchange rate keeps changing due to demand and supply of foreign currency in the foreign exchange market.

6. Stocking the goods - The exporter needs a stocking system to stock his goods properly. It helps in keeping the right quantity of goods at the right place so that the goods are immediately available at the time of need.

7. Packing and marking of goods - While packing, the exporter should keep in mind that the packing should be done in the specified manner only. If the importer has not specified any method then packing should be done using the prevalent method only. Packing should be done well so that the goods reach their destination safely.

8. Appointment of dispatch agent - Dispatch agent is appointed by the exporter to send

the goods to the port and get them loaded into the ship. The dispatch agent takes all the steps from taking delivery of goods from railways or transport till loading the goods in the ship.

9. Sending the goods to the port - After preparation of the goods and appointment of the dispatch agent, the exporter sends the goods to the port. Generally goods are sent through railways. The exporter sends the railway receipt to the dispatch agent from whom he releases the goods from the railways.

10. Making of Invoice - After receiving the information of shipment of goods from the dispatch agent, the exporter makes the invoice of the goods. The invoice is made as per the terms and conditions agreed upon between the exporter and importer. The quantity, value, variety, name of the vessel, packing, number of indent etc. of the goods are mentioned in the invoice.

11. Getting a certified invoice by a consul - Some countries recognize certified invoices. Such invoices are issued by the trade correspondent in the exporter's country. A certified invoice gives confidence to the customs authorities of the importing country and they do not inspect the goods.

12. Certificate of Origin - Sometimes some countries give exemption in import tax to their importers for importing goods from a particular country. This exemption is available only if the certificate of origin of the exporter is also attached with the invoice. Such certificate may be issued by the Secretary of the Chamber of Commerce or any other officer authorized by the Government.

13. Making payment related documents - After this, documents are made on the basis of predetermined conditions related to payment. To create the document, the first step is that you need to provide clear details of the financial transaction. This should include all the details of the transaction with your business, such as payment date, amount, and terms.

3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय से क्या समझते हैं तथा उसकी प्रकृति या विशेषताएँ का वर्णन करें।

उत्तर: जिस प्रकार एक सामान्य व्यक्ति अपनी सभी आवश्यकताओं की स्वयं पूर्ति नहीं कर सकता और उसे अन्य व्यक्तियों पर आदान-प्रदान पर निर्भर रहना पड़ता है, ठीक इसी प्रकार एक देश भी अपनी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं अपने साधनों से नहीं कर सकता है, उसे अनिवार्य रूप से अन्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। वह अन्य देशों के साथ वस्तुओं का आदान-प्रदान करके अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। अतएव उसे दूसरे देशों से अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उत्पादों का आयात करना पड़ता है और अपने आधिक्य उत्पादों का दूसरे देशों को निर्यात करना पड़ता है। इसी को अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय कहते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय का प्रकृति या विशेषताएँ निम्न है:-

1. दो देशों की भागीदारी –अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लिये दो देशों में व्यावसायिक लेन-देन होना आवश्यक है। इसलिये कह सकते हैं कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लिये दो देशों की भागीदारी आवश्यकहै।

अलग-अलग देशों में विशेषज्ञता और संसाधनों का विभिन्न होने के कारण, दो देशों की भागीदारी आपके व्यावसाय को विभिन्न कौशल सेट और संसाधनों का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती है।

2. विदेशी मुद्रा में भुगतान - सभी देशों की मुद्रा भिन्न-भिन्न होती है। सभी देश चाहते हैं कि आयात-निर्यात को बढ़ावा देकर अपने विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाया जाय ।विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ावा देने के लिए, देश विदेशी निवेशकों को अपने देश में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा देश में प्रवृत्त हो सकता है।

3. भाषा में अन्तर - सभी देशों में बोली जाने वाली भाषा अलग-अलग होती है। एक सफल व्यवसायी के लिये यह आवश्यक है कि उसे कई विदेशी भाषाओं का ज्ञान हो । अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय की सफलता के लिये विदेशी भाषा ज्ञान एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

4. दूरी की कठिनाई - विश्व के सभी देश एक-दूसरे से दूरी पर हैं, जिसके फलस्वरूप समय की समस्या, माल का आदेश देने से उसे प्राप्त करने के बीच यातायात की समस्या एवं दूरी के कारण, माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की लागत और समय बढ़ जाते हैं, जिससे व्यापारिक लेन-देन की समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

5. अधिक जोखिम– देशी व्यापार की तुलना में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अधिक जोखिम होता है, क्योंकि इसमें माल बहुत दूरी से तथा सामुद्रिक मार्गों से आता है। समुद्र में विभिन्न प्रकार की समस्याएँ हो सकती हैं, जैसे कि बड़ी लहरें, तूफान, चट्टानें, और नैसर्गिक आपदाएँ, जो माल को खतरे में डाल सकती हैं।

6. सरकारी हस्तक्षेप - अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय पूरी तरह से सरकार की देख-रेख में होता है। विदेशों से व्यापार करने के लिये सर्वप्रथम सरकार से अनुमति लेनी होती है। सम्बन्धित मन्त्रालय से लाइसेन्स लेना होता है। अतः कह सकते हैं कि विदेशी व्यापार में काफी सरकारी हस्तक्षेप रहता है।

7.प्रयोग किए जाने वाले प्रलेखो में कठिनाई- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय करने में कई प्रलेख पूरे करने होते हैं जिनको तैयार करना काफी कठिन होता है।

8.व्यापारिक संबंध: अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में एक देश

से दूसरे देश के साथ सामाजिक और वित्तीय संबंध होते हैं। इसमें विभिन्न देशों के व्यवसायी, उत्पादक, और उपभोक्ता आपसी रूप से संबंध बनाते हैं।

9. कानूनी और नियम: अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय की समझ में विभिन्न देशों के कानूनी और नियमीकरण के प्रशासनिक पहलु शामिल हो सकते हैं, जैसे कि आयात-निर्यात के लिए कर और तरीकों का पालन करना।

10. विभिन्न कारण- अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय करने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे-प्राकृतिक संसाधनों का असमान वितरण एवं भिन्न-भिन्न उत्पादन लागत। कोई भी देश अपनी सम्पूर्ण आवश्यकताओं को स्वयं ही पूरा नहीं कर सकता उसे अन्य देशों की सहायता लेनी होती है जिससे अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय को प्रोत्साहन मिलता है।

What do you understand by international business and describe its nature or characteristics.

Ans: Just as an ordinary person cannot fulfill all his needs on his own and has to depend on the exchange of other people, similarly a country also cannot fulfill all its needs with its own resources. , it essentially has to depend on other countries. He fulfills his additional needs by exchanging goods with other countries. Therefore, it has to import products from other countries to meet its additional needs and export its surplus products to other countries. This is called international business.

The nature or characteristics of international business are as follows:-

1. Partnership of two countries - For international business, it is necessary to have commercial transactions between two countries. Therefore, it can be said that participation of two countries is necessary for international business.

Since expertise and resources vary between countries, partnering with two countries provides your business with the opportunity to utilize different skill sets and resources.

2. Payment in foreign currency - The currency of all countries is different. All countries want to increase their foreign exchange reserves by promoting import-export. To promote foreign exchange reserves, the country can encourage foreign investors to invest in their country, due to which foreign currency flows into the country. It is possible

3. Difference in language - The language spoken in all countries is different. For a successful businessman, it is necessary that he has knowledge of many foreign languages. Knowledge of foreign language is an important attribute for the success of international business.

4. Difficulty of distance - All the countries of the world are at a distance from each other, as a result of which there is problem of time, problem of transportation between ordering the goods and receiving it and due to distance, goods have to be transported from one place to another. Delivery costs and time increase, which can cause problems in business transactions.

5. More risk - There is more risk in international business as compared to domestic business, because in this the goods come from long distances and through sea routes. A variety of problems can occur at sea, such as large waves, storms, reefs, and natural disasters, which can put cargo at risk.

6. Government interference - International business is completely under the supervision of the government. To do business with foreign countries, first permission has to be taken from the government. License has to be obtained from the concerned ministry. Therefore, it can be said that there is a lot of government interference in foreign trade.

7.Difficulty in the documents used - In doing international business, many documents have to be completed which are quite difficult to prepare.

8.Business relations: International business involves social and financial relations from one country to another. In this, businessmen, producers, and consumers from different countries create mutual relations.

9.Legals and Regulations: Understanding international business may include administrative aspects of legal and regulations of different countries, such as following taxes and procedures for import-export.

10. Many reasons - There can be many reasons for doing international business. Such as unequal distribution of natural resources and different production costs. No country can fulfill all its needs on its own, it has to take help from other countries, which encourages international business.